Aims, Need and Importance of Gender Study

जेण्डर अध्ययन के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व

(1) समाज का सन्तुलित विकास।
Balanced development of society.

(2) वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास।
Development of scientific view.

(3) अन्धविश्वासो का समापन।
Abolition of blind faiths.
एबोलेसन = अन्त / समाप्ति

(4) स्वस्थ्य परम्पराओं का विकास
Development of healthy traditions.

(5) सामाजिक सुरक्षा का विकास
Development of social security

(6) जागरूकता का विकास
Development of awareness

(7) बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन।
Motivation to girls education.

(8) शिक्षा का सार्वभौमिकता
Universalisation of education

(9) सामाजिक समानता का विकास
Establishment of social equality

(6) सामाजिक विसंगतियो का उन्मूलन
Abolition of Social inequalities.
एबोलेसन - उन्मूलन / समाप्ति / अन्त

जेण्डर अध्ययन के क्षेत्र
Field of gender study

1. परिवार - (family)
2. जाति - (caste)
3. धर्म - Religion
4. संस्कृति - culture
5. विद्यालय - School
6. राजनीति - Politics
7. प्रशासन - Administration
8. व्यवसाय - vocation
9. सामाजिक स्वतंत्रता - Social freedom
10. सामाजिक समानता - Social equality
11. कक्षा-कक्ष - classroom
12. कार्य एवं व्यवहार (work and behaviour
13. अनुशासन Discipline
14. सामाजिक परम्पराएँ एवं विश्वास
Social traditions and faith

Unit

⇒ Gender Identity Roles & Interdisciplinary Knowledge

लिंग पहचान की भूमिकाएं और अन्तर्विषयीय (अन्त: विषयक) दृष्टियों का विकास

① Develop a growing sense of Interdisciplinary approach of Knowledge.

ज्ञान की अन्तर्विषयीय दृष्टियों का विकास

Types of gender

लिंग के प्रकार

① Masculine Gender – पुरुष लिंग
② Feminine Gender – स्त्री लिंग
③ Common Gender – उभय निष्ट लिंग
④ Neuter Gender – नपुंसक लिंग

4 Sunday

Definitions of Gender

① प्रो० एस० के दुबे के शब्दों में – "जेण्डर का आशय लिंग वर्गीकरण या विभाजन की उस विचार की ओर संकेत है जिसमें स्त्री-पुरुष की असमानता को सामाजिक, जैविक, श्रम एवं धार्मिक आधार पर व्यक्त किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

श्रीमती आर० के शर्मा — जेण्डर लैंगिक विभाजन को व्यक्त करने की एक प्रक्रिया है जिसको सामाजिक जैविक एवं अन्य विभिन्न आधारों पर प्रस्तुत किया जाता है तथा विविध आधारों पर ही कार्य एवं व्यवहार में भी अन्तर किया जाता है।"

1) Situation of Masculinity in Indian Social Structure
भारतीय सामाजिक संरचना में पुरुषों की स्थिति

2) Situation of feminine in Indian Social Structure
भारतीय सामाजिक संरचना में स्त्रियों की स्थिति

3) Meaning of Interdisciplinary Approach
अन्तः विषयक दृष्टिकोण का अर्थ
अन्तः विषय या अन्तः विषयक या अन्तर्विषयक विषय से अभिप्राय दो या दो से अधिक अकादमिक, वैज्ञानिक या कलात्मक विषयों का आपस में सम्मिलित होना अर्थात् विभिन्न विषयों के मध्य अन्तः विषय सम्बन्ध (सह-सम्बन्ध) स्थापित होगा। इसके अन्तर्गत विस्तृत स्तर पर व्यावहारिक एवं प्रासंगिक (Relevant) विषयों को पाठ्यचर्या में सम्मिलित कर छात्रों को आवश्यक विषयों एवं समाज की एक साथ अधिगम कराया जाता है। अन्तः विषयक उपागम छात्रों को विषयों को अधिक गहराई से समझने, अन्वेषण करने आदि के लिए जिज्ञासु बनाती है।

Aims, need and importance of Gender

जेण्डर (लिंग) अध्ययन के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व

1. समाज का सन्तुलित विकास (Balanced development of society)
2. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास (Development of scientific view)
3. अन्धविश्वासों का समापन (Abolition of blind faiths)
4. स्वस्थ परम्पराओं का विकास (Development of healthy traditions)
5. सामाजिक सुरक्षा का विकास (Development of social security)
6. जागरूकता का विकास (Development of awareness)
7. बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन (Motivation to girls education)
8. शिक्षा का सार्वभौमिकता (Universalisation of education)
9. सामाजिक समानता की स्थापना (Establishment of social equality)
10. पुरुष प्रधान समाज का उन्मूलन (Abolition of male dominant society)

Scanned with CamScanner

जेण्डर अध्ययन के क्षेत्र

Fields of Gender Study.

1. परिवार (family) 2. जाति (caste)
3. धर्म (Religion) 4. संस्कृति (Culture)
5. विद्यालय (School) 6. राजनीति (Politics)
7. प्रशासन (Administration) 8. व्यवसाय (Vocation)
9. सामाजिक स्वतन्त्रता (Social freedom)
10. सामाजिक समानता (Social equality)
11. कक्षा - कक्ष (classroom)
12. कार्य एवं व्यवहार (work and behaviour
13. अनुशासन (Discipline)